चीन का पंचशील सिद्धांत

चर्चा में क्यों?

- शुक्रवार, 28 जून को चीन, 1954 में लागू भारत और चीन के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों पर आधारित पंचशील समझौता के 70 वीं वर्षगांठ बनाने के लिए स्मारक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।
- बीजिंग में आयोजित इस स्मारक समझौते की अध्यक्षता चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग करेंगे तथा राष्ट्रपति भी जिनपिंग मुख्य भाषण देंगे।
- चीन द्वारा इस कार्यक्रम के लिए 'शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों से लेकर मानव जाति के लिए सामग भविष्य वाले समुदाय के निर्माण तक' का थीम रखकर दूरदर्शी सोच दिखाया गया है।

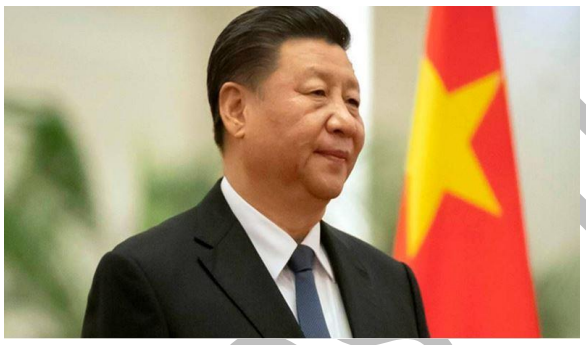

पंचशील समझौता (इतिहास)

- वर्ष 1947 में भारत को आजादी मिलने के दो वर्ष बाद 1 अक्टूबर 1949 को माऊत्से तुंग ने 'पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ़ चाइना' की स्थापना की।
- अक्टूबर 1949 से 1951 के बीच चीन ने भारत सहित 19 देशों के साथ राजनीतिक संबंध स्थापित किया।
- इसी क्रम में भारत और चीन विश्वास और आपसी सम्मान के आधार पर 1 अप्रैल 1950 को राज राजनयिक संबंध स्थापित किया।
- भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू चीन के साथ अच्छे संबंध स्थापित करना चाहते थे हालांकि चीन भी शुरुआत में भारत के साथ अच्छे संबंध का पक्षधर था।
- वर्ष 1954 में तिब्बत पर भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय वार्ता का उद्घाटन करते हुए चीन के तत्कालीन प्रधानमंत्री झोऊ एनलाई ने भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समक्ष शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के आधार पर पांच सिद्धांतों का प्रस्ताव रखा जिसे भारतीय प्रधानमंत्री नेहरू ने स्वीकार कर लिया।

Result Mitra

- शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के आधार पर पांच सिद्धांत जिसे भारत में पंचशील समझौते के नाम से जाना जाता है पर 29 अप्रैल 1954 को चीन में भारतीय राजदूत एन राघवन और चीन के विदेश मंत्री झांग हान-फू द्वारा हस्ताक्षर किया गया।
- पंचशील समझौते को औपचारिक रूप से तिब्बत क्षेत्र के साथ व्यापार और संपर्क पर समझौते के रूप में भी जाना जाता है।
- भारत में चीन के साथ इस समझौते के तहत तिब्बत को चीन के एक क्षेत्र के रूप में अपनी सहमति दे दी।
- इस संधि के तहत भारत को 1904 की 'एंग्लो तिब्बतन संधि' के तहत तिब्बत के संबंध में जो अधिकार मिले थे वो सारे अधिकार समाप्त हो गए।

पंचशील समझौते के पांच सिद्धांत –

- पंचशील शब्द की उत्पत्ति बौद्ध धर्म की अवधारणा पंचशील से हुई।
- बौद्ध धर्म के अनुसार पंचशील बौद्ध धर्म के पांच नैतिक व्रतों (हत्या, चोरी, यौन, दुराचार, झूठ बोलना और मादक पदार्थों से परहेज) का वर्णन करता है।
- पंचशील समझौते की प्रस्तावना के तहत पांच सिद्धांत निम्न है-
- एक दूसरे की प्रादेशिक अखंडता और संप्रभुता के लिए पारस्परिक सम्मान।
- एक दूसरे के आंतरिक विषयों में हस्तक्षेप नहीं करना।
- शांतिपूर्ण सह अस्तित्व की नीति में विश्वास रखना।
- समानता और परस्पर लाभ की नीति का पालन करना।
- एक दूसरे के विरुद्ध आक्रामक कार्यवाही न करना।

समझौते का उद्देश्य –

भारत और चीन के बीच हुए इस समझौते का मुख्य उद्देश्य –

- दोनों देशों के बीच व्यापार और सहयोग को बढ़ाना।
- प्रत्येक देश के व्यापार केंद्रों को एक दूसरे देशों के प्रमुख शहरों में स्थापित करना।
- आपसी व्यापार के लिए एक रूपरेखा तैयार करना।
- दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण तीर्थयात्राओं और तीर्थयात्रियों के लिए उपलब्ध स्वीकार मार्गों और पासों (Pass) को सूचीबद्ध करना।

चीन के लिए पांच सिद्धांतों का महत्व –

- चीन द्वारा प्रस्तावित इस पांच सिद्धांत के आधार पर चीन ने लगभग 165 से अधिक देशों के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किया।
- इन पांच सिद्धांतों के आधार पर चीन ने अपने अधिकतर पड़ोसी देशों के साथ सीमा विवाद मुद्दों को हल करके अपने आसपास के क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाने के लिए काम किया।

Result Mitra

भारत और चीन के बीच पंचशील समझौते में खटास –

- वर्ष 1955 में चीन द्वारा अक्साई चीन के विवादित क्षेत्रों एवं भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बताने पर दोनों के बीच संबंधों में खटास आनी शुरू हुई।
- भारत और चीन के बीच 1962 के युद्ध के कारण दोनों देश के संबंध में और खटास आ गई।
- चूंकि भारत और चीन के बीच 28 अप्रैल 1954 को हुए पंचशील समझौते 8 वर्षों के लिए था और इसमें नवीनीकरण का कोई प्रावधान नहीं था, इसलिए यह दोनों देश के बीच आई इस खटास के कारण समझौता समाप्त हो गया।
- हालांकि वर्ष 1979 में तत्कालीन भारतीय विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने अपने चीन दौरे पर पंचशील सिद्धांत के आधार पर नई व्यावस्था बनाने पर जोर दिया।
- 2017 में अपने भारत यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी-जिनपिंग ने पंचशील के पांच सिद्धांतों से मार्गदर्शन प्राप्त करके भारत के साथ काम करने की इच्छा जताई।

पंचशील से गुटनिरपेक्षता –

- चीन भारत समझौते के 1 साल बाद अप्रैल 1955 में एशिया और अफ्रीका के 29 देशों ने बांडुंग सम्मेलन में 10 सूत्रीय घोषणा पर हस्ताक्षर किया जिसमें पंचशील के पांच सिद्धांत भी शामिल था।
- बांडुंग सम्मेलन में शामिल भारत सहित 29 देशों ने तत्कालीन दो वैश्विक गुटों संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ से अलग एक गुट निरपेक्ष राष्ट्रों का एक समूह को विकल्प के रूप में चुना।

गुटनिरपेक्ष आंदोलन (Non- Aligned Movement)

- 1955 के बांडुंग सम्मेलन के आधार पर भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति जोसिफ ब्रोज टीटो, घाना के राष्ट्रपति क्वामे नक्रूमा, मिस्र के राष्ट्रपति गमाल अब्देल नासिर और इंडोनेशियाई राष्ट्रपति सुकर्णो के पहल पर 1 अप्रैल 1961 को बेलग्रेड (यूगोस्लाविया) में औपचारिक रूप से गुटनिरपेक्ष आंदोलन की स्थापना की गई।
- एक संगठन के रूप में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की स्थापना 19 जुलाई 1956 को ब्रियोमी (वर्तमान में क्रोएशिया का भाग) में नेहरू, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल नासेर, यूगोस्लाविया के प्रधानमंत्री जोसिप ब्रीज टीटो द्वारा ब्रियोनी घोषणा पर हस्ताक्षर के साथ हुई।

Result Mitra

- ब्रियोनी घोषणा में वैश्विक स्तर पर शांति कायम करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक सुरक्षा के प्रयास का माध्यम अपनाने पर जोर दिया गया।

चीन की वर्तमान विदेश नीति –

- पिछले तीन दशकों में खासकर शी जिनपिंग के कार्यकाल में चीन की विदेश नीति आक्रामक रही है।
- इन वर्षों में चीन ने लगातार दक्षिण सागर पर अपना दावा करके अपने पूर्व और दक्षिण पूर्व के पड़ोसी देशों के साथ शत्रुतापूर्ण स्थिति उत्पन्न की।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ चीन के संबंध लगातार बिगड़ते जा रहे हैं क्योंकि चीन द्वारा लगातार दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अमेरिकी प्रभुत्व के लिए व्यापारिक और राजनीतिक चुनौती उत्पन्न की जा रही है।
- वर्ष 2017 के बाद से चीनी सेनाएं लद्दाख में LAC के पास लगातार गतिरोध उत्पन्न कर रही हैं तथा वर्ष 2020 के बाद भारतीय और चीनी सेना के बीच कई स्तरों की बातचीत होने के बाद भी ठोस परिणाम सामने नहीं आ रहे हैं।

Result Mitra